रिक्ति संदर्भ सं. बाइरैक/पीएमयू/वीएसी/57/**सितंबर-**2022

पद कोड: एनबीएम/पीएमयू-**02**

नौकरी का विवरण: मिशन निदेशक, पीएमयू-एनबीएम

1. मिशन के बारे में:

राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार का एक उद्योग-अकादमी सहयोगात्मक मिशन है जो की बायोफार्मास्युटिकल्स के प्रारंभिक विकास में तेजी लाने के लिए जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक), डीबीटी भारत सरकार; के एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम द्वारा कार्यान्वित है।

250 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कुल लागत पर कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा अनुमोदित मिशन को विश्व बैंक ऋण सहायता के साथ 50% सह-वित्तपोषित किया गया है।

मिशन कार्यक्रम एक अखिल भारतीय कार्यक्रम है जिसका मुख्य उद्देश्य भारत को नव, किफायती और प्रभावी बायोफर्मासिटिकल उत्पादों और समाधानों के डिजाइन और विकास का केंद्र बनाना है। यह कार्यक्रम भारत के नवाचार अनुसंधान और उत्पाद विकास क्षमताओं को बढ़ाने में सहायता करता है, विशेष रूप से सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं का मुकाबला करने के लिए टीकों, जीवविज्ञान और चिकित्सा उपकरणों के विकास पर ध्यान केंद्रित करके। कार्यक्रम अकादमिक शोधकर्ताओं की सहायता करता है (उनकी क्षमता को बढ़ाकर); जैव-उद्यमियों और एसएमई (उत्पाद विकास के शुरुआती चरणों के दौरान कम लागत और जोखिम के द्वारा) और उद्योग (उनके नवाचार भागफल को बढ़ाकर) को सशक्त बनाता है। प्रत्याशित दीर्घकालिक प्रभाव से भारतीय आबादी को बड़े पैमाने पर लाभ होगा, क्योंकि किफायती समाधान और भारतीय स्वास्थ्य आवश्यकताओं के लिए प्रासंगिक उत्पाद उपलब्ध होंगे।

मिशन कार्यक्रम के बारे में अधिक विवरण देखने के लिए यहां क्लिक करें।

2. कार्यान्वयन एजेंसी के बारे में:

जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक) जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम को इस कार्यक्रम को लागू करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसमें कार्यक्रम प्रबंधन इकाई (पीएमयू) है और कार्यक्रम के कार्यान्वयन की निगरानी और निगरानी के लिए एक परिचालन और कार्यात्मक शाखा के रूप में काम करता है।

3. कार्य का विवरण:

पद का नाम	मिशन निदेशक
रेपोर्टिंग	प्रबंध निदेशक, जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक)

मिशन निदेशक एक वरिष्ठ स्तर का पद है जिसके लिए मजबूत नेतृत्व की आवश्यकता होती है। मिशन निदेशक कार्यक्रम प्रबंधन इकाई (पीएमयू) में मिशन कार्यक्रम का नेतृत्व करेंगे और i3 कार्यक्रम के प्रभावी प्रबंधन (संगठन, योजना, निष्पादन और मूल्यांकन) के लिए जिम्मेदार होंगे। वह रणनीतियों की स्थापना और प्रबंधन की देखरेख करेगें, कुशल टीमों का निर्माण करेगें, कार्यक्रम की प्रगति की निगरानी करेगें और वित्तीय सटीकता सुनिश्चित करेगें। वैश्विक और राष्ट्रीय विचारकों और वैज्ञानिक विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम करते हुए, मिशन निदेशक के पास कई हितधारकों (शिक्षा, उद्योग, एसएमई) के साथ जुड़ने और तकनीकी समन्वयकों की एक टीम का नेतृत्व करने का अवसर होगा, जो कि i3 कार्यक्रम रणनीति के साथ संरेखण में गतिविधियों की उपलब्धि को सक्षम करेगा।

प्रमुख जिम्मेदारियों में शामिल होंगे, लेकिन इन तक सीमित नहीं हैं:

गतिविधि और संसाधन योजना:

- कार्यक्रम की गतिविधियों के कुशल और समय पर निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए रणनीतियों का विकास और संचालन करना।
- कार्य योजनाओं और प्रबंधन प्रणालियों के विकास और कार्यान्वयन की निगरानी और सुनिश्चित करना जिसके परिणामस्वरूप कार्यक्रम कार्यान्वयन योजना में परिभाषित प्रभावी कार्यक्रम निष्पादन होता है।
- दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों का प्रबंधन करें और संचालन समिति द्वारा निर्धारित नीतिगत ढांचे और दिशानिर्देशों के अनुसार निर्णय लें।
- सभी कार्यक्रम निवेशों के लिए संसाधन नियोजन के लिए जिम्मेदार और कार्यक्रम और विभिन्न घटकों के सुचारू कार्यान्वयन के लिए पर्याप्त बजट प्रावधान सुनिश्चित करना।

स्टेकहोल्डर और टीम प्रबंधन:

- दक्षता और मितव्ययिता के साथ कार्यक्रम के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए विभिन्न घटकों के कार्यों को सिंक्रनाइज़ करना।
- साझेदारी मूल्यों के रखरखाव को सुनिश्चित करते हुए, विभिन्न हितधारकों के साथ समन्वय और जुड़ाव।
- सूचना के कुशल प्रवाह को सुनिश्चित करने और अलग-अलग घटकों के बीच अंतर-संबंधों को सुविधाजनक बनाने के लिए संचालन समिति, कार्यक्रम तकनीकी सलाहकार समूह, वैज्ञानिक सलाहकार समूहों और विभिन्न परिचालन इकाइयों के बीच लिंक।
- विभिन्न समितियों की बैठकों का उनके संबंधित संदर्भ के अनुसार नियमित संचालन और समन्वय करना;
- बाहरी दुनिया के लिए मिशन कार्यक्रम का प्रतिनिधित्व करें।
- नियमित तकनीकी और वित्तीय अपडेट प्रदान करने के लिए विश्व बैंक के साथ समन्वय करना।

वित्तीय एवं कानूनी प्रबंधन::

- बजट का अनुमान लगाने और उसे विकसित करने की लागत;
- सभी आवश्यक अनुबंधों और समझौतों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कानूनी और वित्त टीमों के

साथ काम करना;

- सभी वित्तीय लेखांकन और रिपोर्टिंग की सटीकता, अखंडता और समयबद्धता सुनिश्चित करता है।

जोखिम प्रबंधन:

- संभावित जोखिमों का आकलन और उनके समाधान के लिए समाधान तैयार करना;
- पीएमयू या किसी भी हितधारक की शिकायतों द्वारा उठाए गए मुद्दों / बाधाओं को चिह्नित करें और सुधारात्मक कार्रवाई के लिए सक्षम प्राधिकारी को आगे बढ़ाएं;
- प्रभावी गुणवत्ता आश्वासन और कार्यक्रम की समग्र अखंडता सुनिश्चित करें।

II. **पात्रता:**

आदर्श उम्मीदवार को विशेष रूप से प्रारंभिक चरण से लेकर नैदानिक विकास और/या बाजार लाइसेंस तक टीकों, जैव चिकित्सा और/या चिकित्सा उपकरणों/निदान उत्पाद विकास मूल्य श्रृंखला का मजबूत ज्ञान होना चाहिए। उसके पास भागीदारों (संभवतः निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के भागीदारों दोनों) के साथ मजबूत जुड़ाव का ट्रैक रिकॉर्ड होगा, और रणनीतिक योजनाओं को बनाने और निष्पादित करने की क्षमता के साथ-साथ विषयों और प्रौद्योगिकियों की एक विस्तृत श्रृंखला में लगी टीमों को प्रेरित करने की क्षमता होगी।

क. अनिवार्य :

- शैक्षणिक योग्यता - जीवन विज्ञान/जैविक विज्ञान या संबद्ध क्षेत्रों में पीएचडी/समकक्ष;
- अनुभव की अवधि - उत्पाद विकास की समझ के साथ उद्योग में अधिमानतः प्रबंधन अनुभव के 5 वर्ष सहित कम से कम 19 वर्ष और उससे अधिक का अनुभव;
- टीकों, जैव चिकित्सा विज्ञान या चिकित्सा उपकरणों / निदान के विकास में प्रासंगिक अनुभव।

ख. वांछनीय:

- उत्पाद विकास के लिए नियामक आवश्यकताओं का ज्ञान
- मजबूत लिखित और मौखिक संचार कौशल; उत्कृष्ट पारस्परिक और बहु-विषयक परियोजना कौशल के साथ एक प्रेरक और भावुक संचारक।
- सिद्ध बातचीत और समस्या समाधान कौशल की आवश्यकता है। परियोजना के माइलस्टोन में देरी को रोकने के लिए समय, संसाधनों और फंडिंग से संबंधित मुद्दों सहित परियोजना के मुद्दों को हल करने के लिए सक्रिय रूप से पहचानने और कार्य करने की क्षमता की आवश्यकता है।
- टीम निर्माण कौशल और संगठनात्मक प्रबंधन में उत्कृष्टता, स्टाफ को प्रशिक्षित करने, उच्च प्रदर्शन वाली टीमों को प्रबंधित करने और विकसित करने, रणनीतिक उद्देश्यों को निर्धारित करने और प्राप्त करने और बजट का प्रबंधन करने की क्षमता के साथ उत्कृष्टता।
- विविध हितधारकों (यानी संभावित रूप से उद्योग सहयोगों में, सरकारों, या अन्य एनजीओ साझेदारी के माध्यम से) के साथ-साथ अकादमिक और स्टार्ट-अप पारिस्थितिक तंत्र के साथ साझेदारी विकसित करने का अनुभव।
- हितधारकों और संस्कृतियों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल करने की क्षमता के साथ मजबूत

विपणन और जनसंपर्क।

- संबंधों को विकसित करने की क्षमता वाले निदेशक मंडल के साथ काम करने में पिछली सफलता।
- देश की जरूरतों और अवसरों सहित राष्ट्रीय और वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र का ज्ञान।
- एक संगठन को विकास के अगले चरण में ले जाने वाली विकसित और परिचालन रणनीतियों के विशिष्ट उदाहरणों को इंगित करने की क्षमता।
- जुनून, आदर्शवाद, अखंडता, सकारात्मक दृष्टिकोण, मिशन-चालित और स्व-निर्देशित।
- गुणवत्ता कार्यक्रमों और डेटा-संचालित कार्यक्रम मूल्यांकन के लिए अटूट प्रतिबद्धता।

ग. आयु सीमा: 55 वर्ष आवेदन की समाप्ति की तिथि तक

घ. कार्यकाल: पद पर नियुक्ति जून -2023 तक की अवधि के लिए या परियोजना के साथ साथ समाप्त होने तक होगी। परियोजना के विस्तार या सेवा को जारी रखने की आवश्यकता के आधार पर अनुबंध का नवीनीकरण किया जाएगा।

च. प्रतिपूर्ति: रु.1,50,000/- से रु.4,20,000/- प्रति माह एकमुश्त योग्यता और अनुभव के आधार पर।

केंद्र / राज्य सरकार और या अन्य सीपीएसई के कर्मचारी अपने आवेदन की एक प्रति उचित माध्यम से सीलबंद लिफाफे में नीचे दिए गए पते पर भेजें: -

प्रमुख [मानव संसाधन और प्रशासन]

जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक),

पहली मंजिल, एमटीएनएल बिल्डिंग

9, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003

<u>आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि:</u> *12* नवंबर *2022*

यहाँ या अन्यत्र किसी प्रतिकूल बात के होते हुए भी; बाइरैक द्वारा लिए गए निर्णय सभी संबंधितों हेतु अनिवार्य होंगे।

भर्ती से संबंधित किसी सवाल के लिए, कृपया इस पते पर ईमेल करें: ***vacancy.birac@nic.in***